SAFALTA CLASS™

An Initiative by अमर उजाला

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

→ [Modern]
→ Ancient & Medieval

HISTORY BY-
SUJEET BAJPAI SIR

Last class
↳ Vedic Civ.

- ऋग्वेद के सबसे महत्वपूर्ण देवता इंद्र हैं|
- ऋग्वेद की सबसे महत्वपूर्ण नदी- सरस्वती
- सिन्धु नदी का वर्णन ऋग्वेद में सबसे ज्यादा बार किया गया है|
- ऋग्वेद में इंद्र शब्द का प्रयोग सबसे ज्यादा बार किया गया है |
- समाज समानता पर आधारित था |

- The most important deity of Rigveda is Indra.
- The most important river of Rigveda- Saraswati.
- The Indus River has been described most often in the Rig Veda.
- The word Indra has been used most often in RigVeda.
- Society was based on equality.

- समाज में महिलाओं की स्थिति अच्छी थी|
- ऋग्वैदिक आर्यों को लोहे की जानकारी नहीं थी |
- पहली धातु तांबा थी |
- पहला अनाज जौं था |
- इन्होने घोड़े का प्रयोग युद्धों में किया था |
- प्रमुख व्यवसाय पशुपालन था |

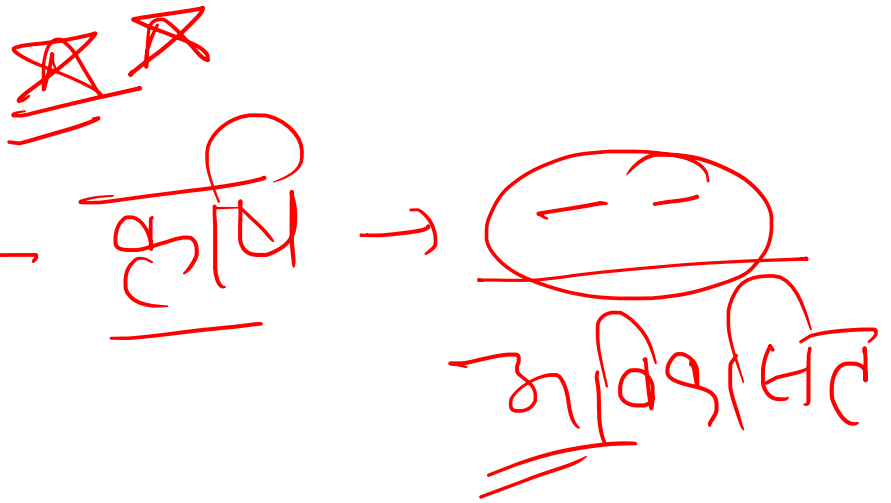

- The status of women in the society was good.
- The Rigvedic Aryas were not aware of iron.
- The first metal was copper.
- The first grain was barley.
- He used the horse in wars.
- The main business was animal husbandry.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

श्याम असुर

उत्तर वैदिक काल

(1000 BC - 600 BC)

- इन्होने लोहे का प्रयोग आरम्भ कर दिया था |
- प्रमुख व्यवसाय कृषि थी |
- समाज चार विभागों में विभाजित हो गया था|
- सबसे प्रमुख देवता प्रजापति थे |
- समाज में महिलाओं की स्थिति में गिरावट आरम्भ हो गयी थी |

(स्रोत => पुरुष सूक्त; 10th मंडल; Rigved)

[B > K > V > S]

Post Vedic Period

- They started using iron.
- The major occupation was agriculture.
- The society was divided into four parts.
- The most prominent deity was Prajapati.

❑ वैदिक साहित्य

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

वेद	ब्राह्मण	उपनिषद्	आरण्यक	सूक्त	अध्येता	उपवेद
ऋग्वेद	ऐतरेय	ऐतरेय	ऐतरेय	1028	होतृ	आयुर्वेद
	कौषितकी	कौषितकी	कौषितकी			
यजुर्वेद	तैत्तिरीय, शतपथ	तैत्तिरीय कंठ,	तैत्तिरीय	–	अध्वर्यु	धनुर्वेद
		श्वेताश्वर,	वृहदारण्यक			
		ईश, वृहदारण्यक	शतपथ			
सामवेद	पंचविश (इसे ताण्ड्य	छान्दोग्य	जैमनीय	1810 मंत्र	उद्गाता	गंधर्व वेद
	ब्राह्मण भी कहते हैं)	केन	छांदोग्य			(नारद कृत)
अथर्ववेद	गोपथ	प्रश्न मुंडक माण्डूक्य	–	6000 मंत्र (लगभग)	ब्रह्म	शिल्पवेद (विश्वकर्मा द्वारा रचित)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

RIGVEDIC AGE
(1500 B.C. – 600 B.C.)

Rigvedic Rivers (प्राचीन)	Modern Name (नया नाम)
Shatudri –	Satluj –
Vipasha –	Vyas or Beas –
Parushni परुष्णी	Raavi रावी
Askani अस्किनी	Chenab चेनाब
Vitasta वितस्ता	Jhelum झेलम

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

Rigvedic Gods	Work
Indra	Rain (King of diety)
Varun	Clouds and Ocean
Sun	Energy
Soma	Plants
Maruta	Storm
Ashwin	Vaidya
Aditi	Mother of Diety
Usha	Goddess of Morning

BAJPAI

IMPORTANT INFORMATION ABOUT UPANISHADAS:

- *Largest Upanishada is Vridharanayak.*] बृहदारण्यक
- *Second Largest Upanishada is Chandogya.*
- *"Satyamev Jayate" is taken from Mundakopanishada.* (मुंडकोपनिषद)

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

A) MAHABHARAT:

- Vedvyas is a little.
- Krishnadvaypayan was an important saint of Mahabharata.
- 1st Collection of MAHABHARAT was known as Jai Samhita (8 Thousand Verse).
- 2nd Collection MAHABHARAT was known as Bharat (24 Thousand Verse)
- 3rd Collection MAHABHARAT was known as Mahabharat (1 Lack Hymans).
- Total Number of Parva in Mahabharat are 18.
- 1st Parva= AADI Parva.
- Last Parva= Parvatarohan Parva.
- Important Parva= Shanti Parva.
- Bhagvat Gita is a part of Shanti Parva.

SUJEET BAJPAI SIR (9

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

संस्कृत

B) Ramayan was written by Valmiki.

Ramcharitmanas was written by Tulsidas in time of Akbar .

अवधी में

गुप्तकाल

C) PURAN:

- TOTAL= 18
- Written By: Vedvyas, Lomharsha & Ugrashrava.
- Language: Sanskrit
- Purans are also considered as 5th Ved.

JAIN RELIGION

जैन धर्म

★ जैन धर्म में मोहनजोदड़ो के पशुपति की मुहर को प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव मानते हैं।

★ दूसरे तीर्थकर अजीतनाथ की चर्चा युजुर्वेद में मिलती है।

★ 23वें तीर्थकर पाश्र्वनाथ थे, काशी जो काशी नरेश अश्वसेन के पुत्र थे। ये इक्ष्वाकु के थे।

पाश्र्वनाथ की पत्नी - प्रभावती

पाश्र्वनाथ की माँ - वामा

महावीर के बारे में

★ जैन धर्म के 24वें तीर्थकर वर्धमान महावीर थे।

जन्म : कुण्डग्राम (वैशाली)

कब : 540 बी.सी.

पिता : सिद्धार्थ

कुल	:	ज्ञातृक
भाई	:	नदिवर्धन
माता	:	त्रिशला (लिच्छवी, राज चेतक की बहन)
पत्नी	:	यशोदा
पुत्री	:	अनोज्जा (प्रियदर्शिनी)
दामाद	:	जामिल (प्रथम शिष्य)
मृत्यु	:	पावापुरी (नालंदा)

नोटः जैन धर्म में आत्मा व पुनर्जन्म दोनों माने जाते हैं।

पांच सिद्धान्त

1.अहिंसा, 2.अमृषा, 3.अचौर्य, 4.अपरिग्रह 5.ब्रह्मचर्य (महावीर द्वारा जोड़ा गया)

त्रिरत्नः सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक आचरण

जैन धर्म

श्वेतांबर(वस्त्र धारण करते हैं)

प्रमुखः स्थूलभद्र

दिगंबर (दिशाओं को ही वस्त्र मानतें हैं)

प्रमुखः भद्रबाहू

Rajpal Sir

★ महावीर के बाद सुधर्मन अध्यक्ष बना था।

★ महावीर के जृम्भिक ग्राम के समीप ऋजुपालिका नदी के किनारे साल के वृक्ष के नीचे साल के वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।

- Jains consider Pashupati of Mohanjodaro as 1st Tirthankar, Rishabhdev.
- 2nd Tirthankar, Ajitnath is mentioned in Yajurveda.
- 23rd Tirthankar, Parsvanath was son of Asvasen,King of Kashi. Parsvanath belonged to ICCHVAKU dynasty. Mother of Parsvanath was Vama & his wife was Prabhavati.

SIR

ABOUT MAHAVIR

- He was 24th Tirthankar of Jain religion.

Birth year	540 B.C.
Birth Place	Kund Gram (Vaishali)
Father	Siddhartha
Dynasty	Gyatraka
Brother	Nandivardhan
Mother	Trishala (Sister of Licchavi King Chetak)
Wife	Yashoda
Daughter	Anojja Priyadarshini
Son-in-law	Jamil (1st Pupil of Mahavir)
Death	Pava-Puri (Nalanda)

SUJEET BAJPAI

- Mahavir got enlightenment near Rijupalik river in Jambhrik Village.

FIVE VOWS OF JAIN RELIGION:

1. Non- violence.
2. Truth.
3. Non- stealing.
4. Non- possession.
5. Chastity (Added by Mahavir).

THREE JEWELS OF JAIN RELIGION:

1. Right Faith
2. Right Knowledge
3. Right Conduct

T BAJPAI SIR

JAIN RELIGION IS DIVIDED IN TWO PARTS:

1.Shvetambar :

A)Chief Priest :Sthoolbhadra.

B)They wear white clothes.

2.Digambar :

A) Chief Priest: Bhadrabahu

B) They consider directions as their clothes.

SUJEET

BAUDDHA RELIGION

बौद्ध धर्म

प्रवर्तक	:	गौतम बुद्ध (वंश शाक्य)
बुद्ध के पिता	:	शुद्धोधन (शाक्य कुल, कपिलवस्तु के शासक)
बुद्ध का वास्तविक नाम	:	सिद्धार्थ
जन्म स्थान	:	लुम्बिनी (वर्तमान नेपाल)
मृत्यु	:	483बी.सी.कुशीनगर (वर्तमान में दवरिया)
माता	:	महामाया(जन्म के 7वें दिन मृत्यु,कोलिय वंश की थी)
पालनकर्ता	:	मौसी प्रजापति गौतमी(संघ में प्रवेश करने वाली प्रथम महिला)
पत्नी	:	यशोधरा, अन्य नाम – गोपा, बिम्बा आदि
पुत्र	:	राहुल
गुरू	:	आलारकलाम
योग गुरू	:	रूद्रकराकपुप्त
सारथी	:	छन्दक, चन्ना आदि

घोड़ा : कन्थक

ज्ञानप्राप्ति : बोधगया में (नदी - निरंजना (फल्गू))

वृक्ष के नीचे : पीपल

महाभिनिष्क्रमण : ग्रह त्याग को कहते हैं।

धर्मचक्र प्रवर्तन : प्रथम उपदेश को कहते हैं। स्थानः सारनाथ

महापरिनिर्वाण : मृत्यु को कहते हैं।

शिष्य : उपालि एवं आनंद

कुशीनगर में चुंद सुनार के यहां भोजन खाने से मृत्यु।

बौद्ध धर्म

हीनयान	महायान	वज्रयान
धर्म को मूलरूप से मानते हैं	बुद्ध को अवतार मानते हैं	बुद्ध को अलौकिक सिद्धियों वाला मानते हैं।

Sir

★ ''प्रतीत्य समुत्पाद'' : बुद्ध की शिक्षाओं का सार है।

बुद्ध के जीवन की घटनाएं	:	**संबंधित चिन्ह**
जन्म	:	कमल व सांड
गृहत्याग	:	घोड़ा
ज्ञान	:	पीपल
निर्वाण	:	पदचिन्ह
मृत्यु	:	स्तूप
त्रिरत्न	:	बुद्ध, धर्म, संघ

★ पुनर्जन्म की मान्यता है जबकि आत्मा की नहीं है।

Sujeet Bajpai

Buddhist Council	Patron	Venue	Chairman
First	Ajatashatru	Rajgriha	Mahakashyapa
Second	Kalashoka	Vaishali	Sabbakami
Third	Ashoka	Patliputra	Mogaliputra
Fourth	Kanishka	Kundalban (Kashmir)	Vasumitra

483 BC.
383 BC
251 BC
100 A.D.

Founder	Gautam Buddha
Dynasty	Shakya
Father	Shuddhodhana (King of Kapilvastu)
Real Name of Buddha	Siddhartha
Birth Place	Lumbini (Nepal)
Death	Kushinagar (Devariya) in 483 B.C.
Mother	Mahamaya of Koliya Dynasty (She Died on 7th day of His Birth)
Brought up by	Aunt Prajapati Gautmi She First Women to get permission to enter in Sangha
Wife	Yashodhara (Other Names- Gopa, Bimba)
Son	Rahul
Yog Teacher	Rudrak Ramputta
Charioteer	Chandak, Channa etc.

SET BAJPAI SIR

Charioteer	Chandak, Channa etc.
Horse	Kanthak
Place of Enlightenment	Bodhgaya
River	Niranjana(Falgu)
Tree	Pipal
Maha Bhinish Kraman	Leaving of Home
Dharmachakra	1st Surmon (Place: Sarnath)

SUJEET

Pravrton	
Mahaparinirvan	Death
Pupil	Upali and Ananda

BAUDDHA RELIGION IS DIVIDED IN THREE PARTS:

1ST- Heenyan = Oldes form of religion.

2ND- Mahayam = Buddha considered as a Carnation.

3RD- Vajrayan = Buddha considered man of magic. Tara is related with Vajrayan.

** PratityaSamutpad- Gist of Buddha's teachings.

AJPAI SIR

** PratityaSamutpad- Gist of Buddha's teachings.

LIFE EVENTS OF BUDDHA	SYMBOL
Birth	Lotus and Ox
Leaving of Home	Horse
Enlightenment	Pipal
Nirvana	Foot Step
Death	Stupa
Three Jewels	Buddha, Dhamma, Sangh

** Rebirth is considered in Bauddha religion but Soul is not considered in Bauddha religion.

SUJEET BAJ

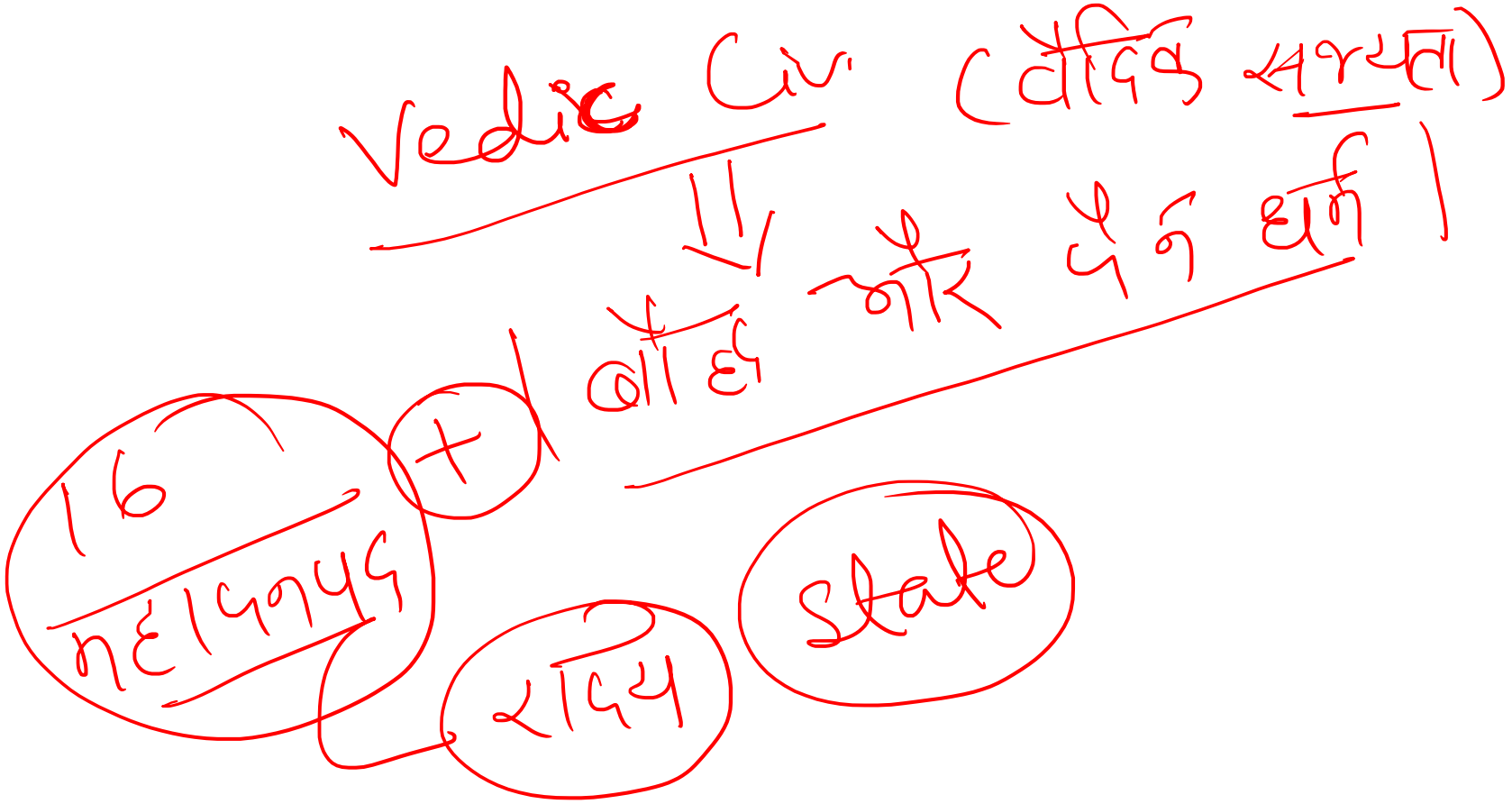

Vedic Civ (वैदिक सभ्यता)

⇓

बौद्ध और जैन धर्म ।

16 महाजनपद + राज्य

State

	महाजनपद	राजधानी
1.	काशी	वाराणसी
2.	कुरु	इन्द्रप्रस्थ (मेरठ तथा द०पू० हरियाणा)
3.	अंग	चंपा (भागपुर व मुंगेर)
4.	कोशल	श्रावस्ती (फैजाबाद मण्डल)
5.	मगध	राजगृह/गिरिब्रज (दक्षिणी बिहार)
6.	वज्जि	वैशाली (उत्तरी बिहार)
7.	मल्ल	कुशीनारा (देवरिया, गोरखपुर का क्षेत्र)
8.	चेदि/चेती	शुक्तिमती (आधुनिक बुंदेल खण्ड)
9.	वत्स	कौशांबी [इलाहाबाद एवं बाँदा (उ०प्र०]

10.	पांचाल उत्तरी-पांचाल दक्षिणी-पांचाल	अहिच्छत्र (बरेली, रामनगर) काम्पिल्य (फर्रूखाबाद)
11.	मत्स्य	विराटनगर [अलवर, भरतपुर (राजस्थान)]
12.	सूरसेन	मथुरा (आधुनिक ब्रजमण्डल)
13.	अश्मक (ONLY)	पोतन या पोटिल (आंध्र प्रदेश) – दक्षिण भारत
14.	अवंती (MP)	उत्तरी-उज्जयिनी, दक्षिणी-माहिष्मती
15.	गांधार	तक्षशिला [पेशावर तथा रावलपिण्डी (पाकिस्तान)]
16.	कम्बोज	राजपुर/हाटक (कश्मीर)

मगध महाजनपद का उदय

1.) हर्यक वंश :-

- ❖ इसे पितृहंता वंश भी कहा जाता है |
- ❖ संस्थापक- बिम्बिसार

Rise of Magadha Mahajanpad 1.

Haryank Dynasty :-

- ❖It is also known as the Patricide dynasty.
- ❖Founder - Bimbisar

- इस वंश का अंतिम शासक नागदशक था|
- नागदशक की हत्या उसके मंत्री शिशुनाग ने की थी |
- **The last ruler of this dynasty was Nagdashak.**
- **Nagdashak was murdered by his minister Shishu Nag.**

शिशुनाग वंश

संस्थापक- शिशुनाग

- इस वंश का अंतिम शासक नन्दीवर्धन था|
- नन्दीवर्धन की हत्या उसके मंत्री महापद्मनंद ने की थी |

Shishu Nag Dynasty

- Founder - ShishuNag
- The last ruler of this dynasty was Nandivardhan.
- Nandivardhana was murdered by his minister Mahapadmananda.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नन्द वंश*

संस्थापक- महापद्मनंद

- ❖ इस वंश का अंतिम शासक धननंद था | (यूरोप में)
- ❖ सिकंदर ने धननंद के समय में ही भारत पर आक्रमण किया था |

→ 326 BC

मेसीडोनिया macedonia

Nanda Dynasty

- Founder- Mahapadananda
- The last ruler of this lineage was Dhanananda.
- Alexander attacked on India in time of Dhanananda.

SAFALTA CLASS
An Initiative by अमर उजाला

Babylon (Iraq) ← सिकंदर | सेल्युकस = (भारत)

323 BC (death)

मौर्य

✓ Chanakya
&
(Chandragupt मौर्य)

(धनानंद)
Dhanananda
(मगध)

Battle of Hydaspes

(हाइडेस्पस Jhelum- Vitasta)

(" ")

पोरस एवं सिकंदर (जीत)

> व्यास = ARmy (X)

मौर्य साम्राज्य

* संस्थापक – चन्द्रगुप्त मौर्य
* शिक्षक – चाणक्य

★ चन्द्रगुप्त ने सेल्यूकस को हराया था |

★ सेल्यूकस ने मेगस्थनीज को चन्द्रगुप्त के दरबार में भेजा था |

Mauryan Empire

- Founder – Chandragupta Maurya
- Teacher - Chanakya Chandragupta Maurya is also known as sandrokots.
- Chandragupta had defeated selukas.
- selukas had sent Megsthanese to the court of Chandragupta.

★ मेगस्थनीज भारत आने वाला पहला अंतर्राष्ट्रीय राजदूत था |

★ मेगस्थनीज ने इंडिका नामक एक पुस्तक लिखी थी |

★ चंद्रगुप्त की राजधानी पाटलीपुत्र तथा प्रधानमंत्री चाणक्य थे |

- Megsthanese was the first international ambassador to Visit India.
- Megsthanese wrote a book called Indica.
- Chandragupta was the first to establish the All India Empire.
- Chandragupta's capital was Patliputra and Prime Minister Chanakya.

★ चंद्रगुप्त ने सुदर्शन झील का निर्माण करवाया था| (गिरनार,गुजरात)

★ चंद्रगुप्त की मृत्यु श्रवणबेलगोला (कर्नाटक) में हुयी थी|

★ चंद्रगुप्त की मृत्यु के बाद उसका पुत्र बिन्दुसार सत्ता में आया था |

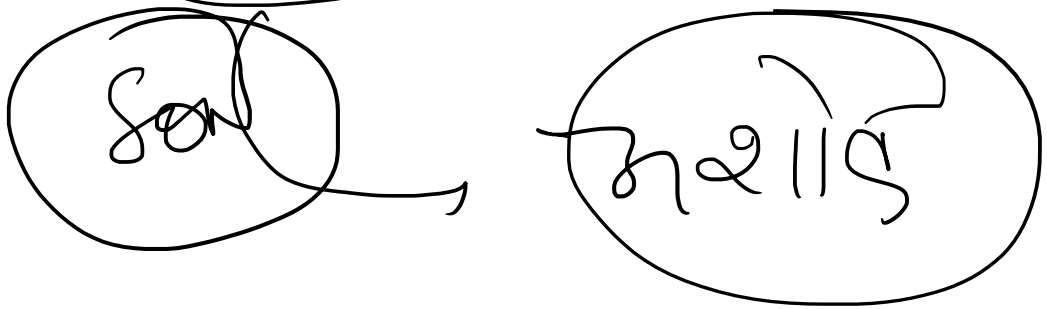

- Chandragupta had constructed Sudarshan Lake. (Girnar, Gujarat)
- Chandragupta died in Shravanbelgola (Karnataka).
- After Chandragupta's death, his son Bindusar came to power.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

- अशोक ने अपने पिता बिन्दुसार के समय में तक्षशिला में एक विद्रोह का दमन किया था |
- Ashoka had repressed an uprising in Takshashila during the time of his father Bindusar.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

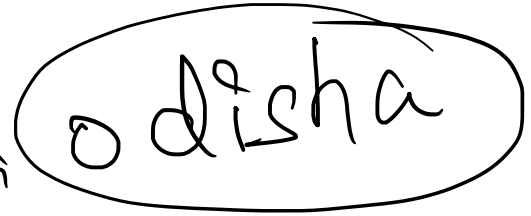

अशोक

★इसका आधिकारिक नाम देवनांप्रिय था |

★अशोक ने कलिंग पर 261 B.C. में आक्रमण किया था और इसकी जानकारी 13वें शिलालेख से मिलती है |

★अशोक ने उपगुप्त (मोगलीपुत्त) के द्वारा बौद्ध धर्म को स्वीकार किया था |

Ashok

- Its official name was Devnamdarling.
- It was derived from the records of Ashok Maski and Gurjara.
- Ashoka had invaded Kalinga in 261 B.C. and is known by the 13th inscription.
- Ashoka had accepted Buddhism by Upgupta (Mogliputta).

★ अशोक अपनी पत्नी कौरवकी से प्रभावित था |

★ अशोक ने लुम्बिनी की यात्रा की थी और नेपाल में बौद्ध धर्म आरंभ किया था|

धर्म नैतिकता पर

★ अशोक के चौथे अभिलेख से धम्म की जानकारी प्राप्त होती है |

★ तीसरी बौद्ध संगीति(251B.C.) अशोक के समय में हुयी थी। (पाटलीपुत्र)

- Ashok was influenced by his wife Kaurvaki.
- Ashok had travelled to Lumbini and started Buddhism in Nepal.
- The fourth inscription of Ashoka gives information about Dhamma.
- The third Buddhist council (251 B.C.) was in Ashoka's time. (Patliputra)

★ अशोक ने अपने अभिलेखों में ब्राह्मी, खरोष्ठी, ग्रीक, अरामाइक लिपियों का प्रयोग कराया था |

★ अशोक के अभिलेखों को पढने वाला प्रथम व्यक्ति जेम्स प्रिन्सेप था |

★ अशोक ने साँची(M.P.) और सारनाथ(U.P.) में स्तम्भ अभिलेखों का निर्माण करवाया था |

★ अशोक ने अपनी पुत्री संघमित्रा और पुत्र महेंद्र को बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए श्रीलंका भेजा था|

- Ashoka used Brahmi, Kharothi, Greek, Aramic scripts in his records.
- The first person to read Ashoka’s inscription was James Princep.
- Ashoka had constructed pillar inscriptions at Sanchi (M.P.) and Sarnath (U.P.).
- Ashok had sent his daughter Sanghamitra and son Mahendra to Sri Lanka to spread Buddhism.

★ अशोक और इसके पौत्र दशरथ ने आजीवकों के लिए गुफाओं का निर्माण करवाया था | (सम्प्रदाय)

★ अशोक ने जम्मू-कश्मीर में श्रीनगर की स्थापना की थी |

★ मौर्य वंश के अंतिम शासक ब्रह्द्रथ की हत्या उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की थी |

- Ashoka and his grandson Dasrath had built caves for the Ajivak.
- Ashok had established Srinagar in Jammu and Kashmir.
- Brahadratha, the last ruler of the Mauryan dynasty, was murdered by his army chief Pushyamitra Shung.

Ancient

1) I.V.C

2) Vedic

3) (B & J) Rel

4) Alex, मगध महाजनपद

5) मौर्य वंश

6)

7) गुप्त

8) हर्षवर्धन

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

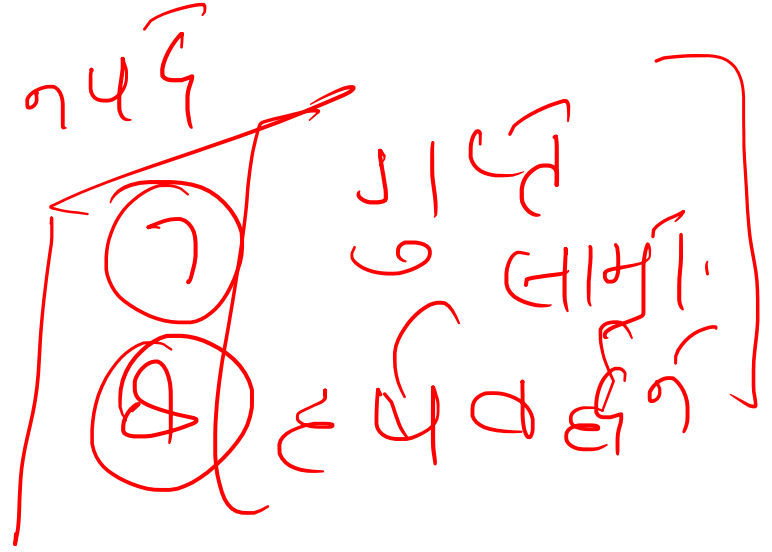

गुप्त साम्राज्य

★ संस्थापक- श्रीगुप्त

★ प्रसिद्ध शासक – चन्द्रगुप्त प्रथम

★ चन्द्रगुप्त प्रथम ने 319 A.D. में गुप्त सम्वत का आरम्भ किया था|

★ इसने लिच्छवी राजकुमारी कुमार देवी से विवाह किया था |

Gupt Empire

Founder- Srigupta

Famous Ruler – Chandragupta-1st

Chandragupta -1st started Gupta Samvat in 319 A.D.

He married with Lichchvi Princess Kumar Devi.

समुद्रगुप्त

★इसे भारत का नेपोलियन कहा जाता है|

★ये गुप्त वंश का पहला शासक था जिसने दक्षिण भारत को जीता था|

★Title- 1. कविराज 2. परक्रमांक 3. लिच्छवीदौहित्र (लिच्छवी माता का पुत्र)

4. अश्वमेध यज्ञ कर्ता

SamudraGupta

- It is called Napoleon of India.
- It was the first ruler of the Gupta dynasty who won South India.
- Titles- 1. Kaviraj
  2. Parkramank
  3. Lichchvidauhitra (Son of Lichchavi Mother)
  4. Ashvamedha yajna karta

★इसने प्रयाग प्रशस्ति का निर्माण करवाया था |

★इस प्रशस्ति की रचना हरिषेण ने की थी |

➢He constructed Prayag Commendation.

➢This commendation was composed by Harishen.

चन्द्रगुप्त-II

★ Title- विक्रमादित्य (सर्वाधिक शक्तिशाली)

★ प्रथम चीनी यात्री फाह्यान इसी के समय भारत आया था |

★ फाह्यान ने Pho-kyo-ki नामक पुस्तक लिखी थी |

Chandragupta-II

- Title- Vikramaditya (most powerful)
- The first Chinese traveller, Fahyan, came to India at the same time.
- Fahyan wrote a book called Pho-kyo-ki.

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमरउजाला

✶ चन्द्रगुप्त के दरबार में नौ-रत्न उपस्थित थे |

- धन्वतंरि- वैद्य्
- वराहमिहिर- खगोलशास्त्री
- कालिदास – कवि (शेक्सपीयर of india)

- Nine jewels were present in the court of Chandragupta.

Dhanvantari: Vaidya

Varahamihir - Astronomer

Kalidas – Kavi (Shakespeare of India)

Max Gold coin => Gupt Period

SAFALTA CLASS™
An Initiative by अमर उजाला

नोट:- गुप्त काल के बारे में-

- गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण काल कहा जाता है| साहित्य, कला, और विज्ञानं में अत्यधिक प्रगति के कारण
- अजंता और बाघ की गुफाओं का सम्बन्ध गुप्त कल से है |
- सती प्रथा का प्रथम प्रमाण भानुगुप्त के एरण अभिलेख से प्राप्त हुआ था |

MP

MP

Note:- About the secret period

- Gupta period is called the Golden Period of Indian History. Due to great progress in literature, art, and science
- Ajanta and Bagh Caves are related with the Gupt Period.
- The first proof of sati practice was found from Bhanugupta's aran record.

उत्तरगुप्त काल

संस्थापक- पूषयभूति वंश, राजधानी- थानेश्वर

Founder- Purshyabhuti Dynasty, Capital- Thaneshwar

हर्षवर्धन के विषय में

★वह अपनी राजधानी को थानेश्वर से कन्नौज ले गया था |

★हर्ष ने तीन पुस्तकें लिखी थी- रत्नावली, प्रियदर्शिका, नागानंद

★चीनी यात्री ह्वेनसांग हर्षवर्धन के समय में भारत आया था |